

## 1 थिस्सलुनीकियों

1 यह खत पौलुस, सिलवानुस और तीमुथियुस की तरफ़ से है।

हम थिस्सलुनीकियों की जमात को लिख रहे हैं, उन्हें जो खुदा बाप और खुदावंद ईसा मसीह पर ईमान लाए हैं।

अल्लाह आपको फ़ज़ल और सलामती बरख़ो।

### थिस्सलुनीकियों की ज़िंदगी और ईमान

2 हम हर वक़्त आप सबके लिए खुदा का शुक्र करते और अपनी दुआओं में आपको याद करते रहते हैं। 3 हमें अपने खुदा बाप के हुज़ूर खासकर आपका अमल, मेहनत-मशक्कत और साबितकदमी याद आती रहती है। आप अपना ईमान कितनी अच्छी तरह अमल में लाए, आपने मुहब्बत की रूह में कितनी मेहनत-मशक्कत की और आपने कितनी साबितकदमी दिखाई, ऐसी साबितकदमी जो सिर्फ़ हमारे खुदावंद ईसा मसीह पर उम्मीद ही दिला सकती है। 4 भाइयो, अल्लाह आपसे मुहब्बत रखता है, और हमें पूरा इल्म है कि उसने आपको वाकई चुन लिया है। 5 क्योंकि जब हमने अल्लाह की खुशख़बरी आप तक पहुँचाई तो न सिर्फ़ बातें करके बल्कि कुव्वत के साथ, रूहल-क़ुदस में और पूरे एतमाद के साथ। आप जानते हैं कि जब हम आपके पास थे तो हमने किस तरह की ज़िंदगी गुज़ारी। जो कुछ हमने किया वह आपकी खातिर किया। 6 उस वक़्त आप हमारे और खुदावंद के नमूने पर चलने लगे। अगरचे आप बड़ी मुसीबत में पड़ गए तो भी आपने हमारे पैग़ाम को उस खुशी के साथ कबूल किया जो सिर्फ़ रूहल-क़ुदस दे सकता है। 7 यों आप सूबा मकिदुनिया और सूबा अख़या के तमाम ईमानदारों के लिए नमूना बन गए। 8 खुदावंद के पैग़ाम की आवाज़ आपमें से निकलकर न सिर्फ़ मकिदुनिया और अख़या में सुनाई दी, बल्कि यह ख़बर कि आप अल्लाह पर ईमान रखते हैं हर जगह तक पहुँच गई है। नतीजे में हमें कुछ कहने की ज़रूरत नहीं रही, 9 क्योंकि लोग हर जगह बात कर रहे हैं कि आपने हमें किस तरह खुशआमदीद कहा है, कि आपने किस तरह बूतों से मुँह फेरकर अल्लाह की तरफ़ रूजू किया ताकि ज़िंदा और हकीकी खुदा की ख़िदमत करें। 10 लोग यह भी कह रहे हैं कि अब आप इस

इंतज़ार में हैं कि अल्लाह का फ़रज़ंद आसमान पर से आए यानी ईसा जिसे अल्लाह ने मुरदों में से ज़िंदा कर दिया और जो हमें आनेवाले ग़ज़ब से बचाएगा।

## 2

### थिस्सलुनीके में पौलुस का काम

1 भाइयो, आप जानते हैं कि हमारा आपके पास आना बेफ़ायदा न हुआ। 2 आप उस दुख से भी वाकिफ़ हैं जो हमें आपके पास आने से पहले सहना पड़ा, कि फ़िलिप्पी शहर में हमारे साथ कितनी बदसलूकी हुई थी। तो भी हमने अपने खुदा की मदद से आपको उस की खुशख़बरी सुनाने की ज़रूरत की हालाँकि बहुत मुख़ालफ़त का सामना करना पड़ा। 3 क्योंकि जब हम आपको उभारते हैं तो इसके पीछे न तो कोई ग़लत नीयत होती है, न कोई नापाक मक़सद या चालाकी। 4 नहीं, अल्लाह ने खुद हमें जाँचकर इस लायक़ समझा कि हम उस की खुशख़बरी सुनाने की ज़िम्मादारी सँभालें। इसी बिना पर हम बोलते हैं, इनसानों को खुश रखने के लिए नहीं बल्कि अल्लाह को जो हमारे दिलों को परखता है। 5 आपको भी मालूम है कि हमने न खुशामद से काम लिया, न हम पसे-परदा लालची थे—अल्लाह हमारा ग़वाह है! 6 हम इस मक़सद से काम नहीं कर रहे थे कि लोग हमारी इज़ज़त करें, खाह आप हों या दीगर लोग। 7 मसीह के रसूलों की हैसियत से हम आपके लिए माली बोझ बन सकते थे, लेकिन हम आपके दरमियान होते हुए नरमदिल रहे, ऐसी माँ की तरह जो अपने छोटे बच्चों की परवरिश करती है। 8 हमारी आपके लिए चाहत इतनी शदीद थी कि हम आपको न सिर्फ़ अल्लाह की खुशख़बरी की बरकत में शरीक करने को तैयार थे बल्कि अपनी ज़िंदगियों में भी। हाँ, आप हमें इतने अज़ीज़ थे! 9 भाइयो, बेशक़ आपको याद है कि हमने कितनी सरख़्त मेहनत-मशक़रत की। दिन-रात हम काम करते रहे ताकि अल्लाह की खुशख़बरी सुनाते वक़्त किसी पर बोझ न बनें।

10 आप और अल्लाह हमारे ग़वाह हैं कि आप ईमान लानेवालों के साथ हमारा सुलूक कितना मुक़द्दस, रास्त और बेइलज़ाम था। 11 क्योंकि आप जानते हैं कि हमने आपमें से हर एक से ऐसा सुलूक किया जैसा बाप अपने बच्चों के साथ करता है। 12 हम आपकी हौसलाअफ़ज़ाई करते, आपको तसल्ली देते और आपको समझाते रहे कि आप अल्लाह के लायक़ ज़िंदगी गुज़ारें, क्योंकि वह आपको अपनी बादशाही और जलाल में हिस्सा लेने के लिए बुलाता है।

13 एक और वजह है कि हम हर वक्त खुदा का शुक करते हैं। जब हमने आप तक अल्लाह का पैगाम पहुँचाया तो आपने उसे सुनकर यों कबूल किया जैसा यह हकीकत में है यानी अल्लाह का कलाम जो इनसानों की तरफ से नहीं है और जो आप ईमानदारों में काम कर रहा है। 14 भाइयो, न सिर्फ यह बल्कि आप यहूदिया में अल्लाह की उन जमातों के नमूने पर चल पड़े जो मसीह ईसा में हैं। क्योंकि आपको अपने हमवतनों के हाथों वह कुछ सहना पड़ा जो उन्हें पहले ही अपने हमवतन यहूदियों से सहना पड़ा था। 15 हाँ, यहूदियों ने न सिर्फ खुदावंद ईसा और नबियों को कत्ल किया बल्कि हमें भी अपने बीच में से निकाल दिया। यह लोग अल्लाह को पसंद नहीं आते और तमाम लोगों के खिलाफ होकर 16 हमें इससे रोकने की कोशिश करते हैं कि गैरयहूदियों को अल्लाह की खुशखबरी सुनाएँ, ऐसा न हो कि वह नजात पाएँ। यों वह हर वक्त अपने गुनाहों का प्याला किनारे तक भरते जा रहे हैं। लेकिन अल्लाह का पूरा गज़ब उन पर नाज़िल हो चुका है।

### पौलुस की उनसे दुबारा मिलने की खाहिश

17 भाइयो, जब हमें कुछ देर के लिए आपसे अलग कर दिया गया (गो हम दिल से आपके साथ रहे) तो हमने बड़ी आरजू से आपसे मिलने की पूरी कोशिश की। 18 क्योंकि हम आपके पास आना चाहते थे। हाँ, मैं पौलुस ने बार बार आने की कोशिश की, लेकिन इबलीस ने हमें रोक लिया। 19 आखिर आप ही हमारी उम्मीद और खुशी का बाइस हैं। आप ही हमारा इनाम और हमारा ताज हैं जिस पर हम अपने खुदावंद ईसा के हुज़ूर फ़ख़र करेंगे जब वह आएगा। 20 हाँ, आप हमारा जलाल और खुशी हैं।

## 3

1 आखिरकार हम यह हालत मज़ीद बरदाश्त न कर सके। हमने फैसला किया कि अकेले ही अथेने में रहकर 2 तीमुथियुस को भेज देंगे जो हमारा भाई और मसीह की खुशखबरी फैलाने में हमारे साथ अल्लाह की खिदमत करता है। हमने उसे भेज दिया ताकि वह आपको मज़बूत करे और ईमान में आपकी हौसलाअफ़ज़ाई करे 3 ताकि कोई इन मुसीबतों से बेचैन न हो जाए। क्योंकि आप खुद जानते हैं कि इनका सामना करना हमारे लिए अल्लाह की मरज़ी है। 4 बल्कि जब हम आपके पास थे तो हमने इसकी पेशगोई की कि हमें मुसीबत बरदाश्त करनी पड़ेगी। और ऐसा ही हुआ जैसा कि आप ख़ूब जानते हैं। 5 यही वजह थी कि मैंने तीमुथियुस

को भेज दिया। मैं यह हालात बरदाश्त न कर सका, इसलिए मैंने उसे आपके ईमान को मालूम करने के लिए भेज दिया। ऐसा न हो कि आजमानेवाले ने आपको यों आजमाइश में डाल दिया हो कि हमारी आप पर मेहनत ज़ाया जाए।

6 लेकिन अब तीमथियुस लौट आया है, और वह आपके ईमान और मुहब्बत के बारे में अच्छी खबर लेकर आया है। उसने हमें बताया कि आप हमें बहुत याद करते हैं और हमसे उतना ही मिलने के आरज़ूमंद हैं जितना कि हम आप से। 7 भाइयो, आप और आपके ईमान के बारे में यह सुनकर हमारी हौसलाअफ़ज़ाई हुई, हालाँकि हम खुद तरह तरह के दबाव और मुसीबतों में फँसे हुए हैं। 8 अब हमारी जान में जान आ गई है, क्योंकि आप मज़बूती से खुदावंद में कायम हैं। 9 हम आपकी वजह से अल्लाह के कितने शक्रगुज़ार हैं! यह खुशी नाक़ाबिले-बयान है जो हम आपकी वजह से अल्लाह के हुज़ूर महसूस करते हैं। 10 दिन-रात हम बड़ी संजीदगी से दुआ करते रहते हैं कि आपसे दुबारा मिलकर वह कमियाँ पूरी करें जो आपके ईमान में अब तक रह गई हैं।

11 अब हमारा खुदा और बाप खुद और हमारा खुदावंद ईसा रास्ता खोले ताकि हम आप तक पहुँच सकें। 12 खुदावंद करे कि आपकी एक दूसरे और दीगर तमाम लोगों से मुहब्बत इतनी बढ़ जाए कि वह यों दिल से छलक उठे जिस तरह आपके लिए हमारी मुहब्बत भी छलक रही है। 13 क्योंकि इस तरह अल्लाह आपके दिलों को मज़बूत करेगा और आप उस वक़्त हमारे खुदा और बाप के हुज़ूर बेइलज़ाम और मुक़द्दस साबित होंगे जब हमारा खुदावंद ईसा अपने तमाम मुक़द्दसीन के साथ आएगा। आमीन।

## 4

### अल्लाह को पसंदीदा ज़िंदगी

1 भाइयो, एक आखिरी बात, आपने हमसे सीख लिया था कि हमारी ज़िंदगी किस तरह होनी चाहिए ताकि वह अल्लाह को पसंद आए। और आप इसके मुताबिक ज़िंदगी गुज़ारते भी हैं। अब हम खुदावंद ईसा में आपसे दरखास्त और आपकी हौसलाअफ़ज़ाई करते हैं कि आप इसमें मज़ीद तरक्की करते जाएँ। 2 आप तो उन हिदायात से वाकिफ़ हैं जो हमने आपको खुदावंद ईसा के वसीले से दी थीं। 3 क्योंकि अल्लाह की मरज़ी है कि आप उसके लिए मख़सूसो-मुक़द्दस हों, कि आप ज़िनाकारी से बाज़ रहें। 4 हर एक अपने बदन पर यों काबू पाना सीख ले

कि वह मुकद्दस और शरीफ़ जिंदगी गुज़ार सके। 5 वह ग़ैरईमानदारों की तरह जो अल्लाह से नावाकिफ़ हैं शहवतपरस्ती का शिकार न हो। 6 इस मामले में कोई अपने भाई का गुनाह न करे, न उससे ग़लत फ़ायदा उठाए। खुदावंद ऐसे गुनाहों की सज़ा देता है। हम यह सब कुछ बता चुके और आपको आगाह कर चुके हैं। 7 क्योंकि अल्लाह ने हमें नापाक जिंदगी गुज़ारने के लिए नहीं बुलाया बल्कि मख़सूसो-मुक़द्दस जिंदगी गुज़ारने के लिए। 8 इसलिए जो यह हिदायात रद्द करता है वह इनसान को नहीं बल्कि अल्लाह को रद्द करता है जो आपको अपना मुक़द्दस रूह दे देता है।

9 यह लिखने की ज़रूरत नहीं कि आप दूसरे ईमानदारों से मुहब्बत रखें। अल्लाह ने खुद आपको एक दूसरे से मुहब्बत रखना सिखाया है। 10 और हकीकतन आप मक़िदुनिया के तमाम भाइयों से ऐसी ही मुहब्बत रखते हैं। तो भी भाइयो, हम आपकी हौसलाअफ़ज़ाई करना चाहते हैं कि आप इसमें मज़ीद तरक्की करते जाएँ। 11 अपनी इज़ज़त इसमें बरकरार रखें कि आप सुकून से जिंदगी गुज़ारें, अपने फ़रायज़ अदा करें और अपने हाथों से काम करें, जिस तरह हमने आपको कह दिया था। 12 जब आप ऐसा करेंगे तो ग़ैरईमानदार आपकी कदर करेंगे और आप किसी भी चीज़ के मुहताज नहीं रहेंगे।

### खुदावंद की आमद

13 भाइयो, हम चाहते हैं कि आप उनके बारे में हकीकत जान लें जो सो गए हैं ताकि आप दूसरों की तरह जिनकी कोई उम्मीद नहीं मातम न करें। 14 हमारा ईमान है कि ईसा मर गया और दुबारा जी उठा, इसलिए हमारा यह भी ईमान है कि जब ईसा वापस आएगा तो अल्लाह उसके साथ उन ईमानदारों को भी वापस लाएगा जो मौत की नींद सो गए हैं।

15 जो कुछ हम अब आपको बता रहे हैं वह खुदावंद की तालीम है। खुदावंद की आमद पर हम जो जिंदा होंगे सोए हुए लोगों से पहले खुदावंद से नहीं मिलेंगे। 16 उस वक़्त ऊँची आवाज़ से हुक्म दिया जाएगा, फ़रिशताए-आज़म की आवाज़ सुनाई देगी, अल्लाह का तुरम बजेगा और खुदावंद खुद आसमान पर से उतर आएगा। तब पहले वह जी उठेंगे जो मसीह में मर गए थे। 17 इनके बाद ही हमें जो जिंदा होंगे बादलों पर उठा लिया जाएगा ताकि हवा में खुदावंद से मिलें। फिर हम हमेशा खुदावंद के साथ रहेंगे। 18 चुनौचे इन अलफ़ाज़ से एक दूसरे को तसल्ली दिया करें।

## 5

### खुदावंद की आमद के लिए तैयार रहना

1 भाइयो, इसकी जरूरत नहीं कि हम आपको लिखें कि यह सब कुछ कब और किस मौके पर होगा। 2 क्योंकि आप खुद खूब जानते हैं कि खुदावंद का दिन यों आएगा जिस तरह चोर रात के वक़्त घर में घुस आता है। 3 जब लोग कहेंगे, “अब अमनो-अमान है,” तो हलाकत अचानक ही उन पर आन पड़ेगी। वह इस तरह मुसीबत में पड़ जाएंगे जिस तरह वह औरत जिसका बच्चा पैदा हो रहा है। वह हरगिज़ नहीं बच सकेंगे। 4 लेकिन आप भाइयो तारीकी की गिरिफ़्त में नहीं हैं, इसलिए यह दिन चोर की तरह आप पर ग़ालिब नहीं आना चाहिए। 5 क्योंकि आप सब रौशनी और दिन के फ़रज़ंद हैं। हमारा रात या तारीकी से कोई वास्ता नहीं। 6 गरज़ आँ, हम दूसरों की मानिंद न हों जो सोए हुए हैं बल्कि जागते रहें, होशमंद रहें। 7 क्योंकि रात के वक़्त ही लोग सो जाते हैं, रात के वक़्त ही लोग नशे में धुत हो जाते हैं। 8 लेकिन चूँकि हम दिन के हैं इसलिए आँ हम होश में रहें। लाज़िम है कि हम ईमान और मुहब्बत को ज़िरा-बक़तर के तौर पर और नजात की उम्मीद को खोद के तौर पर पहन लें। 9 क्योंकि अल्लाह ने हमें इसलिए नहीं चुना कि हम पर अपना ग़ज़ब नाज़िल करे बल्कि इसलिए कि हम अपने खुदावंद ईसा मसीह के वसीले से नजात पाएँ। 10 उसने हमारी खातिर अपनी जान दे दी ताकि हम उसके साथ जिएँ, खाह हम उस की आमद के दिन मुरदा हों या ज़िंदा। 11 इसलिए एक दूसरे की हौसलाअफ़ज़ाई और तामीर करते रहें, जैसा कि आप कर भी रहे हैं।

### आखिरी हिदायात और सलाम

12 भाइयो, हमारी दरखास्त है कि आप उनकी क़दर करें जो आपके दरमियान सख़्त मेहनत करके खुदावंद में आपकी राहनुमाई और हिदायत करते हैं। 13 उनकी खिदमत को सामने रखकर प्यार से उनकी बड़ी इज़्ज़त करें। और एक दूसरे के साथ मेल-मिलाप से ज़िंदगी गुज़ारें।

14 भाइयो, हम इस पर ज़ोर देना चाहते हैं कि उन्हें समझाएँ जो बेकायदा ज़िंदगी गुज़ारते हैं, उन्हें तसल्ली दें जो जल्दी से मायूस हो जाते हैं, कमज़ोरों का खयाल रखें और सबको सब से बरदाश्त करें। 15 इस पर ध्यान दें कि कोई किसी से बुराई के बदले बुराई न करे बल्कि आप हर वक़्त एक दूसरे और तमाम लोगों के साथ नेक काम करने में लगे रहें।

16 हर वक़्त ख़ुश रहें, 17 बिलानागा दुआ करें, 18 और हर हालत में ख़ुदा का शुक्र करें। क्योंकि जब आप मसीह में हैं तो अल्लाह यही कुछ आपसे चाहता है।

19 रूहल-कुद्स को मत बुझाएँ। 20 नबुव्वतों की तहकीर न करें। 21 सब कुछ परखकर वह थामे रखें जो अच्छा है, 22 और हर क्रिस्म की बुराई से बाज़ रहें।

23 अल्लाह ख़ुद जो सलामती का ख़ुदा है आपको पूरे तौर पर मख़सूसो-मुक़द्दस करे। वह करे कि आप पूरे तौर पर रूह, जान और बदन समेत उस वक़्त तक महफूज़ और बेइलज़ाम रहें जब तक हमारा ख़ुदावंद ईसा मसीह वापस नहीं आ जाता। 24 जो आपको बुलाता है वह वफ़ादार है और वह ऐसा करेगा भी।

25 भाइयो, हमारे लिए दुआ करें।

26 तमाम भाइयों को हमारी तरफ़ से बोसा देना।

27 ख़ुदावंद के हुज़ूर में आपको ताकीद करता हूँ कि यह ख़त तमाम भाइयों के सामने पढ़ा जाए।

28 हमारे ख़ुदावंद ईसा मसीह का फ़ज़ल आपके साथ होता रहे।

किताबे-मुकद्दस

**The Holy Bible in the Urdu language, Urdu Geo  
Version, Hindi Script**

Copyright © 2019 Urdu Geo Version

Language: اردو (Urdu)

This translation is made available to you under the terms of the Creative Commons Attribution-Noncommercial-No Derivatives license 4.0.

You may share and redistribute this Bible translation or extracts from it in any format, provided that:

You include the above copyright and source information.

You do not sell this work for a profit.

You do not change any of the words or punctuation of the Scriptures.

Pictures included with Scriptures and other documents on this site are licensed just for use with those Scriptures and documents. For other uses, please contact the respective copyright owners.

2023-11-29

---

PDF generated using Haiola and XeLaTeX on 22 Feb 2024 from source files dated 30 Nov 2023

a1ee0020-7263-5fce-8289-9d7a7ac2d299